भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
02.04.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 5215 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत नलगोंडा और मिर्यालगुडा रेलवे स्टेशनों का विकास

5215. श्री कुंदुरु रघुवीर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि नलगोंडा और मिर्यालगुडा रेलवे स्टेशनों, जो अमृत भारत स्टेशन योजना का हिस्सा हैं, पर एस्केलेटरों, लिफ्टों और पर्याप्त प्रतीक्षालयों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे गर्भवती महिलाओं, वयोवृद्ध यात्रियों और दिव्यांग व्यक्तियों को असुविधा होती है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत इन दोनों स्टेशनों के विकास हेतु आवंटित एवं उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है तथा नियोजित उन्नयन कार्य को पूरा करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार इन स्टेशनों पर यात्रियों की अधिक संख्या तथा इन स्टेशनों से रेलवे को होने वाले राजस्व को ध्यान में रखते हुए इन स्टेशनों पर एस्केलेटर और लिफ्ट लगाने को प्राथमिकता देने तथा इस कार्य में तेजी लाने के लिए कदम उठाएगी, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) प्रतीक्षालय, बुकिंग कार्यालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल सुविधाएं और शौचालय सहित अन्य आवश्यक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने की क्या योजना है; और

(ङ) यात्रियों की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इन बुनियादी ढांचे के उन्नयन-कार्य को तेजी से पूरा करने के लिए सरकार द्वारा क्या विशिष्ट उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) तेलंगाना राज्य में नल्लगोंडा और मिर्यालगूडा रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जाने हेतु चिह्नित किया गया है। इन स्टेशनों पर

s.k

विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान कर दी गई हैं तथा कार्य शुरू किए गए हैं।

नल्लगोंडा स्टेशन पर, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टरों का प्रावधान, बुकिंग कार्यालय का सुधार और प्लेटफार्म की सतह संबंधी निर्माण कार्य पूरे किए जा चुके हैं तथा नए पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, स्टेशन भवन का सुधार, प्रतीक्षालय कक्ष, शौचालय, परिसंचरण क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान, लिफ्ट, एस्केलेटर, संकेतक आदि का प्रावधान करने के कार्य शुरू किए गए हैं।

मिर्यालगूडा स्टेशन पर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टरों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है तथा नए पैदल पार पुल का निर्माण कार्य, स्टेशन भवन में सुधार, प्रतीक्षालय कक्ष, शौचालय, परिसंचरण क्षेत्र, पार्किंग क्षेत्र, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का प्रावधान, लिफ्ट, एस्केलेटर, संकेतक आदि का कार्य शुरू किया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर सुविधाओं का प्रावधान/उन्नयन और स्टेशनों का विकास सतत् प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकतानुसार किया जाता हैं, जो पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिसंचण क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफार्म की सतह में सुधार और प्लेटफार्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टीमोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं और सीमित गतिशीलता वाले यात्रियों, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अभी तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है जिनमें से 40 रेलवे स्टेशन तेलंगाना राज्य में स्थित हैं। तेलंगाना राज्य में इस योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार है:-

s.k

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तेलंगाना	40	आदिलाबाद, बसर, बेगमपेट, भद्राचलम रोड, गदवाल, हाफिजपेट, हाई-टेक सिटी, हुप्पुगुडा, हैदराबाद, जदचेरला, जनगांव, काचेगुडा, कामरेड्डी, करीमनगर, काजीपेट जंक्शन, खम्मम, लिंगमपल्ली, मधिरा, महबूबाबाद, महबूबनगर, मलकपेट, मलकाजगिरी, मंचिरयाल, मेडक, मेडचल, मिरयालागुडा, नालगोंडा, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, रामागुंडम, सिकंदराबाद, शादनगर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, तंदूर, उमदानगर, विकाराबाद, वारंगल, यदाद्री, याकूतपुरा, जहीराबाद

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन कार्य आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। तेलगांना राज्य दक्षिण मध्य रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए, योजना शीर्ष-53 (संशोधित अनुमान) के अंतर्गत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1,053 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है और चालू वित्त वर्ष (फरवरी, 2025 तक) के दौरान 871 करोड़ रूपए का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/सीवेज लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, पटरियों और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ज़मीनी चुनौतियों के कारण

भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

*****